title: वन और वन्यजीव संसाधन draft: false parent: social-science-geography weight: 2

2.1 वन और वन्यजीवों का महत्व

मुख्य अवधारणाएँ

- **वन पारिस्थितिक संतुलन**, **जलवायु विनियमन**, और **जैव विविधता** के लिए महत्वपूर्ण हैं।
- **वन्यजीव खाद्य श्रृंखलाओं**, **परागण**, और **मृदा उर्वरता** को सुनिश्चित करते हैं।
- **वन कार्बन सिंक** का कार्य करते हैं, CO_2 को अवशोषित कर **ग्लोबल वार्मिंग** कम करते हैं।

वनों की पारिस्थितिक सेवाएँ

- **ऑक्सीजन उत्पादन**: **प्रकाश संश्लेषण** के माध्यम से।
- **मृदा संरक्षण**: जड़े मिट्टी को बाँधकर कटाव रोकती हैं।
- **जल चक्र**: वन वर्षा और भूजल पुनर्भरण को नियंत्रित करते हैं।
- **वन्यजीवों का आवास**: विविध प्रजातियों को आश्रय और भोजन प्रदान करता है।

वन्यजीवों की भूमिका

- **परागण**: कीट और पक्षी पौधों के प्रजनन में सहायता करते हैं।
- **बीज प्रसार**: जानवर बीजों को नए क्षेत्रों तक ले जाते हैं।
- **कीट नियंत्रण**: शिकारी जानवर शाकाहारी जनसंख्या को नियंत्रित रखते हैं।

परीक्षा हेतु सुझाव

- **महत्वपूर्ण परिभाषाएँ**:
- **जैव विविधता**: एक पारिस्थितिकी तंत्र में जीवन रूपों की विविधता।
- **कार्बन सिंक**: कार्बन को अवशोषित और संग्रहीत करने वाले वन।
- **संभावित प्रश्न**:
- "पर्यावरण के लिए वन क्यों महत्वपूर्ण हैं?"
- "पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखने में जानवरों की क्या भूमिका है?"

2.2 वन एक संसाधन के रूप में

वनों का वर्गीकरण

- **आरक्षित वन**: सरकार द्वारा सख्ती से संरक्षित।
- **संरक्षित वन**: स्थानीय समुदायों को सीमित उपयोग की अनुमति।
- **अवर्गीकृत वन**: चराई, लकड़ी काटने और कृषि के लिए खुले।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

वनों से प्राप्त संसाधन

- **इमारती लकड़ी**: निर्माण और फर्नीचर के लिए उपयोग।
- **ईंधन की लकड़ी**: ग्रामीण क्षेत्रों के लिए प्राथमिक ऊर्जा स्रोत।
- **औषधीय पौधे**: कई दवाएँ वनस्पतियों से प्राप्त होती हैं।
- **गैर-लकड़ी उत्पाद**: रेजिन, गोंद, और रंग।

वन संसाधनों से जुड़ी समस्याएँ

- **वनों की कटाई**: लॉगिंग, कृषि और शहरीकरण से वन आवरण का नुकसान।
- **कारण**:
- कृषि का विस्तार (जैसे, झूम कृषि)।
- औद्योगीकरण और बुनियादी ढाँचा परियोजनाएँ।
- अतिचारण और जनसंख्या दबाव।

सतत् विकास

- **संतुलन की आवश्यकता**: वन संसाधनों का उपयोग बिना उन्हें ख़त्म किए।
- **राष्ट्रीय वन नीति (1988)**:
- देश के लिए 33% वन आवरण।
- वन प्रबंधन में समुदाय भागीदारी को प्रोत्साहन।

परीक्षा हेतु सुझाव

- **महत्वपूर्ण शब्दावली**:
- **वनों की कटाई**: वन भूमि को गैर-वन उपयोग में परिवर्तित करना।
- **झूम कृषि**: वन भूमि पर अस्थायी खेती।
- **संभावित प्रश्न**:
- "भारत में विभिन्न प्रकार के वन कौन-से हैं?"
- "वनों के संदर्भ में सतत् विकास की अवधारणा समझाइए।"

2.3 वन्यजीव: संरक्षण और प्रबंधन

वन्यजीव संरक्षण

- **उद्देश्य**: लुप्तप्राय प्रजातियों और उनके आवासों की सुरक्षा।
- **खतरे**:
- **अवैध शिकार**: हाथी दांत, सींग और खाल के लिए अवैध शिकार।
- **आवास हानि**: शहरीकरण और कृषि के कारण।
- **प्रदूषण**: रसायन और प्लास्टिक से पारिस्थितिकी तंत्र को नुकसान।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

संरक्षण रणनीतियाँ

- **राष्ट्रीय उद्यान**: पूर्ण संरक्षित क्षेत्र (जैसे, **जिम कॉर्बेट राष्ट्रीय उद्यान**)।
- **वन्यजीव अभयारण्य**: शिकार निषिद्ध, लेकिन कुछ मानव गतिविधियाँ अनुमत।
- **जीवमंडल रिज़र्व**: संरक्षण और अनुसंधान के लिए क्षेत्र (जैसे, **निलगिरी जीवमंडल रिज़र्व**)।
- **कानूनी ढाँचा**:
- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**: संरक्षित प्रजातियों के शिकार और व्यापार पर प्रतिबंध।
- **प्रोजेक्ट टाइगर**: 1973 में बाघों की सुरक्षा के लिए शुरू।

जैव विविधता का महत्व

- **आनुवंशिक विविधता**: रोगों और पर्यावरणीय परिवर्तनों के प्रति लचीलापन सुनिश्चित करती है।
- **पारिस्थितिकी तंत्र सेवाएँ**: परागण, जल शुद्धिकरण और जलवायु विनियमन।

परीक्षा हेतु सुझाव

- **महत्वपूर्ण परिभाषाएँ**:
- **जैव विविधता**: प्रजातियों, जीनों और पारिस्थितिकी तंत्रों की विविधता।
- **IUCN रेड लिस्ट**: विलुप्त होने के खतरे वाली प्रजातियों की सूची।
- **संभावित प्रश्न**:
- "वन्यजीवों के लिए मुख्य खतरे क्या हैं?"
- "जैवमंडल रिज़र्वों की संरक्षण में भूमिका बताइए।"

2.4 भारत में वन और वन्यजीवों का संरक्षण

सरकारी पहल

- **वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972**:
- संरक्षित क्षेत्र स्थापित करना और अवैध शिकार विरोधी कानून लागू करना।
- **प्रोजेक्ट टाइगर (1973)**:
- आवास संरक्षण और अवैध शिकार रोकथाम के माध्यम से बाघ संरक्षण।
- **राष्ट्रीय वन्यजीव कार्य योजना (2002)**:
- वन्यजीव संरक्षण और आवास पुनर्स्थापन के दिशा-निर्देश।

समुदाय की भागीदारी

- **संयुक्त वन प्रबंधन (JFM)**:
- स्थानीय समुदाय सरकारी निगरानी में वनों का प्रबंधन करते हैं।
- लाभ: वनों की कटाई में कमी और जागरूकता में वृद्धि।
- **वन अधिकार अधिनियम, 2006**:
- वनवासियों को वन संसाधनों के उपयोग और निवास का अधिकार।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

चुनौतियाँ

- **मानव-वन्यजीव संघर्ष**: वन क्षेत्रों में अतिक्रमण से झड़पें।
- **अवैध लॉगिंग और खनन**: आवासों का विनाश और पारिस्थितिकी तंत्र प्रदूषण।
- **जलवायु परिवर्तन**: प्रजातियों के प्रवासन और प्रजनन पैटर्न को प्रभावित।

परीक्षा हेतु सुझाव

- **महत्वपूर्ण शब्दावली**:
- **संयुक्त वन प्रबंधन (JFM)**: समुदाय-आधारित वन संरक्षण।
- **वन अधिकार अधिनियम**: वनवासी समुदायों के लिए कानूनी अधिकार।
- **संभावित प्रश्न**:
- "वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972 की मुख्य विशेषताएँ क्या हैं?"
- "वन संरक्षण में समुदाय की भागीदारी की भूमिका समझाइए।"

2.5 केस स्टडी: चिपको आंदोलन, जैव विविधता का संरक्षण

चिपको आंदोलन

- **उत्पत्ति**: **1970** के दशक में **कुमाऊँ क्षेत्र** (उत्तराखंड) में शुरू।
- **उद्देश्य**: पेड़ों को गले लगाकर (अतः "चिपको" अर्थात "चिपकना") वनों की कटाई रोकना।
- **मुख्य विशेषताएँ**:
- **गौरा देवी** और स्थानीय महिलाओं के नेतृत्व में।
- **वनों और आजीविका के बीच संबंध** को उजागर किया।
- **प्रभाव**:
- जन-आधारित पर्यावरण आंदोलनों को प्रेरित किया।
- **सतत् वन प्रबंधन** को बढ़ावा दिया।

SATHEE

जैव विविधता का संरक्षण

- **महत्व**:
- पारिस्थितिक संतुलन बनाए रखता है।
- भविष्य की पीढ़ियों के लिए आनुवंशिक विविधता सुरक्षित रखता है।
- **उदाहरण**:
- **काजीरंगा राष्ट्रीय उद्यान**: एक-सींग वाले गैंडों की सुरक्षा।
- **मानस राष्ट्रीय उद्यान**: पिग्मी हॉग जैसी लुप्तप्राय प्रजातियों का घर।
- **वैश्विक प्रयास**:
- **IUCN रेड लिस्ट**: विलुप्ति जोखिम के आधार पर प्रजातियों का वर्गीकरण।
- **जैव विविधता हॉटस्पॉट**: उच्च प्रजाति विविधता और खतरे वाले क्षेत्र (जैसे, **पश्चिमी घाट**)।

© 2023-2025 Copyright SATHEE

परीक्षा हेतु सुझाव

- **महत्वपूर्ण शब्दावली**:
- **चिपको आंदोलन**: वन संरक्षण के लिए एक जन आंदोलन।
- **जैव विविधता हॉटस्पॉट**: उच्च प्रजाति विविधता और उच्च एंडेमिज़्म वाले क्षेत्र।
- **संभावित प्रश्न**:
- "चिपको आंदोलन का क्या महत्व है?"
- "जैव विविधता हॉटस्पॉट क्या हैं और वे क्यों महत्वपूर्ण हैं?"

नोट: **एनसीईआरटी पाठ्यपुस्तक (अध्याय 2)** में **वन पारिस्थितिकी तंत्र की संरचना** या **संरक्षित क्षेत्र पदानुक्रम** जैसे चित्रों के लिए हमेशा संदर्भ लें। इन अवधारणाओं पर आधारित **लघु उत्तरीय और दीर्घ उत्तरीय प्रश्नों** का अभ्यास करें।

{}

निम्नलिखित में से कौन सा वनों द्वारा प्रदत्त पारिस्थितिक सेवा नहीं है?

1. [x] ऑक्सीजन उत्पादन
2. [ ] मृदा संरक्षण
3. [ ] जल चक्र विनियमन
4. [ ] आवास विनाश

जैव विविधता का प्राथमिक उद्देश्य क्या है?

1. [ ] कृषि उपज बढ़ाना
2. [ ] पारिस्थितिक संतुलन और लचीलापन सुनिश्चित करना
3. [ ] कार्बन उत्सर्जन कम करना
4. [ ] शहरी विकास को बढ़ावा देना

कौन सा शब्द उन वनों को संदर्भित करता है जो कार्बन को अवशोषित और संग्रहीत करते हैं?

1. [ ] कार्बन डाइऑक्साइड
2. [ ] कार्बन सिंक
3. [ ] जैव विविधता हॉटस्पॉट
4. [ ] वनों की कटाई

© 2023-2025 Copyright SATHEE

भारत में वनों की कटाई का निम्नलिखित में से कौन सा एक कारण है?

1. [ ] वन संरक्षण नीतियों में वृद्धि
2. [ ] सतत् लॉगिंग प्रथाएँ
3. [ ] कृषि का विस्तार
4. [ ] अवैध शिकार विरोधी कानूनों का कानूनी प्रवर्तन

बीज प्रसार में वन्यजीवों की क्या भूमिका है?

1. [ ] मिट्टी की उर्वरता कम करना
2. [ ] बीजों को नए क्षेत्रों तक ले जाना
3. [ ] मानव जनसंख्या बढ़ाना
4. [ ] केवल फूलों का परागण करना

वनों का कौन सा वर्गीकरण स्थानीय समुदायों द्वारा सीमित उपयोग की अनुमति देता है?

1. [ ] आरक्षित वन
2. [ ] संरक्षित वन
3. [ ] अवर्गीकृत वन
4. [ ] राष्ट्रीय उद्यान

बाघों की सुरक्षा के लिए 1973 में कौन सा अभियान शुरू किया गया था?

1. [ ] वन्यजीव संरक्षण अधिनियम, 1972
2. [ ] प्रोजेक्ट टाइगर
3. [ ] राष्ट्रीय वन नीति, 1988
4. [ ] वन अधिकार अधिनियम, 2006

मानव गतिविधियों के कारण वन्यजीवों के लिए मुख्य खतरा क्या है?

1. [ ] वर्षा में वृद्धि
2. [ ] आवास हानि
3. [ ] प्रदूषण में कमी
4. [ ] पौधों की अधिक जनसंख्या

SATHEE

© 2023-2025 Copyright SATHEE

चिपको आंदोलन किससे संबंधित है?

1. [ ] औषधीय पौधों का संरक्षण
2. [ ] वृक्षों को गले लगाकर वनों की कटाई रोकना
3. [ ] औद्योगिक लॉगिंग को बढ़ावा देना
4. [ ] शहरी क्षेत्रों का विस्तार

जैव विविधता हॉटस्पॉट क्या है?

1. [ ] कम प्रजाति विविधता वाला क्षेत्र
2. [ ] उच्च प्रजाति विविधता और खतरे वाला क्षेत्र
3. [ ] केवल संरक्षित वनों वाला क्षेत्र
4. [ ] कोई मानव गतिविधि न होने वाला क्षेत्र {}

© 2023-2025 Copyright SATHEE